STARZSPEAK

Shani Dev Aarti

जय जय जय श्री शनि देव भक्तन हितकारी ।

सूर्य पुत्र प्रभु छाया महतारी ॥
जय जय जय शनि देव ॥

श्याम अंग वक्र दृष्टि चतुर्भुजा धारी ।

नीलाम्बर धार नाथ गज की असवारी ॥
जय जय जय शनि देव ॥

क्रीट मुकुट शीश रजित दिपत है लिलारी ।

मुक्तन की माला गले शोभित बलिहारी ॥
जय जय जय शनि देव ॥

मोदक मिष्ठान पान चढ़त हैं सुपारी ।

लोहा तिल तेल उड़द महिषी अति प्यारी ॥
जय जय जय शनि देव ॥

देव दनुज ऋषि मुनी सुमीरत नर नारी ।

विश्वनाथ धरत ध्यान शरण है तुम्हारी ॥
जय जय जय शनि देव ॥